भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 4432
दिनांक 27 मार्च, 2025

तरंग ऊर्जा परियोजनाएं

†4432. श्री जशुभाई भिलुभाई राठवा :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तरंग ऊर्जा परियोजनाओं को प्रायोगिक स्तर से वाणिज्यिक स्तर की संस्थापनाओं तक विस्तार करने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे;
(ख) सरकार तरंग ऊर्जा एकीकरण को सहायता प्रदान करने के लिए कौन-कौन से वित्तीय अथवा नीतिगत प्रोत्साहन प्रदान करेगी;
(ग) तरंग ऊर्जा रूपांतरण की दक्षता का आकलन करने के लिए कौन-कौन से प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (केपीआई) का उपयोग किया जाएगा; और
(घ) समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर किसी भी प्रकार के प्रतिकूल प्रभाव को रोकने के लिए क्या उपाय किए जाएंगे?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ) देश में तरंग ऊर्जा अभी भी अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के प्रारंभिक चरण में है। तरंग ऊर्जा सहित नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा के निमित्त स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) अनुसंधान संस्थानों और उद्योग के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम (आरई-आरटीडी) को क्रियान्वित कर रहा है। आरई-आरटीडी कार्यक्रम के अधीन, सरकार सरकारी/गैर-लाभकारी अनुसंधान संगठनों को 100% तक और उद्योग, स्टार्ट-अप, निजी संस्थानों, उद्यमियों और विनिर्माण इकाइयों को 70% तक का वित्तीय सहायता प्रदान किया जाता है। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) द्वारा एक आरएंडडी परियोजना भी इको वेव पावर, इजरायल के सहयोग से आरम्भ किया गया है, जिसका प्रयोजन तरंग ऊर्जा कनवर्टर प्रौद्योगिकी का उपयोग करके मुंबई में बीपीसीएल के समुद्री तेल टर्मिनल में देश की पहली तरंग ऊर्जा पायलट परियोजना स्थापित करना है। अन्य बातों के अलावा, इकाई की रूपांतरण दक्षता और एक निश्चित क्षमता कारक के लिए ऊर्जा की स्तरीकृत लागत (एलसीओई), प्रभावशीलता और प्रदर्शन की दक्षता का मूल्यांकन करने में सहायता करती है। तरंग रूपांतरण प्रौद्योगिकियों का समुद्री पारि-तंत्र के साथ अपशिष्टों के रिसाव, हार्डवेयर इंस्टालेशन और अंडरवॉटर इलेक्ट्रिसिटी केबलों आदि के संदर्भ में न्यूनतम संपर्क होने की संभावना है।

***